

25 <sup>2</sup>/<sub>26</sub>

पत्रावली आज सुनवाई पर ली गई।  
मूल वाद जरिये विद्वांवल खारिज  
हो चुका है। जिससे उक्त T. I. प्रार्थना  
पत्र को चलाने का कोई औचित्य  
नहीं रह जाता है। अतः उक्त T. I.  
प्रार्थना पत्र चलाने योग्य नहीं होने  
से खारिज किया जाता है। पत्रावली  
फैसल नुमार लेकर नंबर से कम हो।



3  
सहायक क्लर्क एवं पदेन  
उपखण्ड अधिकारी, बाली